छत्तीसगढ़ बजट विश्लेषण

2025-26

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने 3 मार्च, 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए छत्तीसगढ़ का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी)** (मौजूदा कीमतों पर) 6,35,917 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 की तुलना में 12% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 1,65,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 9% की वृद्धि है। इसके अलावा राज्य को 11,337 करोड़ रुपए का कर्ज भी चुकाना होगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर)** 1,41,100 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 16% की वृद्धि है।
- 2025-26 में राजस्व अधिशेष जीएसडीपी का 0.4% (2,804 करोड़ रुपए) होने का अनुमान है। 2024-25 में राज्य को जीएसडीपी का 1.3% (7,206 करोड़ रुपये) राजस्व घाटा होने का अनुमान है, जबकि बजट लक्ष्य 0.2% राजस्व अधिशेष का है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 3.8% (23,900 करोड़ रुपए) पर लक्षित है। 2024-25 में, संशोधित अनुमान के अनुसार, राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 5.3% होने की उम्मीद है, जो 3.8% के बजटीय लक्ष्य से अधिक है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **शिक्षा**: नवा रायपुर में एजुकेशन सिटी की स्थापना की जाएगी। छह नए फिजियोथेरेपी कॉलेज और 12 नए नर्सिंग कॉलेज खोले जाएंगे। राज्य में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की स्थापना की जाएगी।
- **कनेक्टिविटी**: दूरदराज के इलाकों में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री मोबाइल टावर योजना शुरू की जाएगी।
- **कर प्रस्ताव**: छोटे व्यापारियों के लिए 10 वर्ष से लंबित 25,000 रुपए तक की वैट देनदारियों को माफ किया जाएगा। पेट्रोल पर वैट में एक रुपए प्रति लीटर की कमी की जाएगी। अचल संपत्ति के लेन-देन के लिए स्टाम्प ड्यूटी पर सेस हटाया जाएगा।
- **नदियों को आपस में जोड़ना**: महानदी-इंद्रावती और सिकसकर-कोडार नदियों को आपस में जोड़ने के लिए सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा।

सृष्टि सिंह
shrusti@prsindia.org

31 मार्च, 2025

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2024-25 में छत्तीसगढ़ की जीएसडीपी (स्थिर कीमतों पर) पिछले वर्ष की तुलना में 7.5% बढ़ने का अनुमान है। इसकी तुलना में 2024-25 में भारत की जीडीपी 9.2% बढ़ने का अनुमान है।
- **क्षेत्र**: कृषि क्षेत्र (स्थिर कीमतों पर) 2023-24 में 5.8% की दर से बढ़ने का अनुमान है। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 7.1% की वृद्धि का अनुमान है। 2023-24 में इसमें 3.3% की वृद्धि हुई थी। 2024-25 में सेवा क्षेत्र में 8.5% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष (10.4%) की तुलना में कम है।
- 2024-25 में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों का छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 27%, 36% और 37% के योगदान का अनुमान है (मौजूदा कीमतों पर)।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2024-25 में छत्तीसगढ़ की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (मौजूदा कीमतों पर) 1,62,870 रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2023-24 की तुलना में 9.4% की वृद्धि है। 2024-25 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 1,33,488 रुपए अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.5% अधिक है।

रेखाचित्र 1: छत्तीसगढ़ में स्थिर मूल्यों पर (2011-12) जीएसडीपी

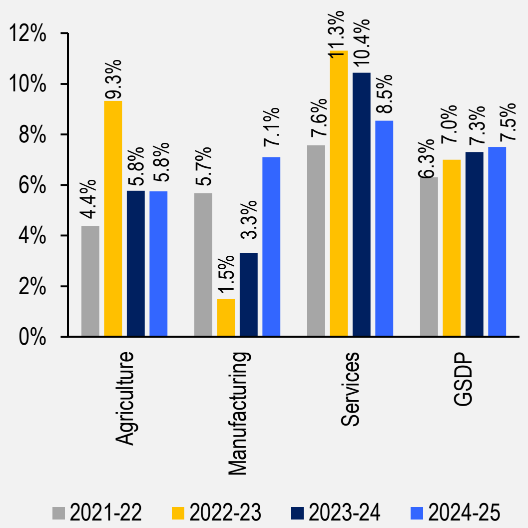

नोट: ये आंकड़े स्थिर मूल्यों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए बजट अनुमान

- 2025-26 में 1,65,000 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** का लक्ष्य है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 9% अधिक है। इस व्यय को 1,41,000 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारियों को छोड़कर)** और 23,000 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियों (उधारियों के अलावा) में 2024-25 के संशोधित अनुमान से 16% की वृद्धि होने की उम्मीद है।
- 2025-26 में राज्य ने जीएसडीपी का 0.4% (2,804 करोड़ रुपये) राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया है। 2024-25 में, संशोधित अनुमानों के अनुसार, राज्य ने राजस्व अधिशेष (जीएसडीपी का 0.2%) के बजट लक्ष्य के मुकाबले राजस्व घाटे (जीएसडीपी का 1.3%) का अनुमान लगाया है। यह बजट अनुमान से 3,566 करोड़ रुपए के राजस्व व्यय में अनुमानित वृद्धि के कारण है, जबकि राजस्व प्राप्तियां बजट अनुमान से 4,700 करोड़ रुपए कम होने का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 3.8% (23,900 करोड़ रुपए) पर लक्षित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 5.3%) से कम है। 2024-25 में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान (जीएसडीपी का 3.8%) से काफी अधिक रहने का अनुमान है। 2024-25 में राजकोषीय घाटे के बढ़ने का एक कारण पूंजीगत व्यय के लिए बजटीय केंद्रीय ऋण से अधिक होना है।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
कुल व्यय	1,54,584	1,56,801	1,61,060	3%	1,76,337	9%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	24,113	9,360	9,360	0%	11,337	21%
शुद्ध व्यय (E)	**1,30,471**	**1,47,440**	**1,51,700**	**3%**	**1,65,000**	**9%**
कुल प्राप्तियां	1,57,584	1,55,160	1,60,373	3%	1,75,437	9%
(-) उधारियां	54,050	29,110	39,023	34%	34,337	-12%
*जिनमें केंद्रीय कैपेक्स ऋण **	3,365	3,400	6,200	82%	4,000	-35%
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**1,03,534**	**1,26,050**	**1,21,350**	**-4%**	**1,41,100**	**16%**
राजकोषीय घाटा (E-R)**	**26,938**	**21,390**	**30,350**	**42%**	**23,900**	**-21%**
जीएसडीपी का %	5.3%	3.8%	5.3%		3.8%	
राजस्व संतुलन #	**-11,233**	**1,060**	**-7,206**	**-780%**	**2,804**	**-139%**
जीएसडीपी का %	-2.2%	0.2%	-1.3%		0.4%	
प्राथमिक घाटा	**20,139**	**13,459**	**21,334**	**59%**	**14,385**	**-33%**
जीएसडीपी का %	3.9%	2.4%	3.8%		2.3%	
जीएसडीपी	5,12,107	5,61,736	5,67,880	1%	6,35,917	12%

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। *केंद्र सरकार 2020-21 से राज्य सरकारों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण प्रदान कर रही है। इन ऋणों को राज्य की उधार सीमा की गणना से बाहर रखा गया है।
नेगेटिव राजस्व संतुलन राजस्व घाटे को दर्शाता है, पॉजिटिव राजस्व अधिशेष को इंगित करता है।
** राजकोषीय घाटे की गणना के लिए, राज्य सरकार ने सार्वजनिक खाता प्राप्तियों को गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियों के रूप में शामिल किया है, और पूंजीगत व्यय के लिए केंद्र से प्राप्त विशेष ऋण को अनुदान के रूप में माना है। इससे राजकोषीय घाटा कम होता है। हमारी गणना के लिए, सार्वजनिक खाता प्राप्तियों पर विचार नहीं किया गया है।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में व्यय

- 2025-26 के लिए **राजस्व व्यय** 1,38,196 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 8% अधिक है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सबसिडी पर होने वाला खर्च शामिल है।
- 2025-26 के लिए **पूंजीगत परिव्यय** 26,341 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 15% अधिक है। पूंजीगत परिव्यय परिसंपत्तियों के निर्माण पर होने वाले व्यय को दर्शाता है।
- 2025-26 में राज्य द्वारा ऋण और अग्रिम (एडवांस) 463 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 55% अधिक है।

महतारी वंदन योजना पर व्यय

छत्तीसगढ़ ने 2025-26 में महतारी वंदन योजना के लिए 5,500 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जो उसकी राजस्व प्राप्तियों का 3.9% है। इस योजना के तहत, पात्र विवाहित महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना की घोषणा 2024 में की गई थी और 2024-25 में इस योजना के तहत 3,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक सहित कई अन्य राज्य अब महिलाओं के लिए नकद हस्तांतरण योजनाएं लागू कर रहे हैं।

तालिका 2: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	1,14,741	1,24,840	1,28,406	3%	1,38,196	8%
पूंजीगत परिव्यय	15,419	22,300	22,994	3%	26,341	15%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	311	300	300	0%	463	55%
शुद्ध व्यय	**1,30,471**	**1,47,440**	**1,51,700**	**3%**	**1,65,000**	**9%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में छत्तीसगढ़ द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 56,793 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 40% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 26%), पेंशन (7%), और ब्याज भुगतान (7%) पर खर्च शामिल है। 2024-25 में वेतन पर व्यय बजट से 12% कम रहने का अनुमान है।

तालिका 3: 2025-26 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
वेतन	28,405	36,387	32,182	-12%	36,945	15%
पेंशन	9,112	7,737	7,737	0%	10,334	34%
ब्याज भुगतान	6,798	7,931	9,015	14%	9,515	6%
कुल	**44,315**	**52,055**	**48,934**	**-6%**	**56,793**	**16%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान छत्तीसगढ़ के बजटीय व्यय का **73%** हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: छत्तीसगढ़ बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बअ	2024-25 संअ	2025-26 बअ	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %	बजटीय प्रावधान (2025-26)
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	33,299	23,357	25,646	26,754	4%	▪ कृषक उन्नति योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	21,281	25,340	23,339	26,730	15%	▪ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए 5,394 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के लिए 5,859 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	6,907	10,459	10,420	11,205	8%	▪ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 1,850 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के लिए 1,500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सामाजिक कल्याण एवं पोषण	5,765	8,073	10,095	10,710	6%	▪ महतारी वंदन योजना के लिए 5,500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
आवास	3,473	8,548	8,397	9,138	9%	▪ प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लिए 8,500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
परिवहन	5,202	6,939	7,492	8,537	14%	▪ सड़कों और पुलों पर पूंजीगत परिव्यय के लिए 7,186 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
पुलिस	5,336	7,134	6,781	7,897	16%	▪ जिला पुलिस के लिए 4,012 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	5,447	7,414	7,747	7,627	-2%	▪ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के लिए 2,800 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए 800 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	7,794	7,224	8,366	6,248	-25%	▪ कृषि पंपों के लिए मुफ्त बिजली अनुदान हेतु 3,500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
शहरी विकास	3,482	5,296	6,042	5,601	-7%	▪ नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के लिए 947 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों में कुल व्यय का %	**75%**	**75%**	**76%**	**73%**		

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए **कुल राजस्व प्राप्तियां** 1,41,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 16% अधिक है। इसमें से 76,000 करोड़ रुपए (54%) राज्य **अपने संसाधनों से जुटाएगा** और 65,000 करोड़ रुपए (46%) **केंद्र से** प्राप्त होंगे। केंद्र से संसाधन केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी (राजस्व प्राप्तियों का 35%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 11%) के रूप में होंगे।

- **हस्तांतरण**: 2025-26 में, केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 50,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 14% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **केंद्र से अनुदान** 15,000 करोड़ रुपए अनुमानित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है।
- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: छत्तीसगढ़ का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 54,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 17% अधिक है। जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 8.5% अनुमानित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (8.1%) से अधिक है। वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 में स्वयं कर राजस्व जीएसडीपी का 7.6% था।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	38,786	49,700	46,200	-7%	54,000	17%
राज्य के स्वयं गैर कर	15,148	18,700	17,500	-6%	22,000	26%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	38,482	44,000	44,000	0%	50,000	14%
केंद्र से अनुदान	11,092	13,500	13,500	0%	15,000	11%
राजस्व प्राप्तियां	**1,03,508**	**1,25,900**	**1,21,200**	**-4%**	**1,41,000**	**16%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	30	150	150	0%	100	-33%
शुद्ध प्राप्तियां	**1,03,538**	**1,26,050**	**1,21,350**	**-3.7%**	**1,41,100**	**16%**

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य जीएसटी** स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत (34% हिस्सा) होने का अनुमान है। राज्य जीएसटी राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान से 10% बढ़ने का अनुमान है।
- 2025-26 में बिक्री कर/वैट से प्राप्त राजस्व में 2024-25 के संशोधित अनुमान से 35% की वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है। 2024-25 में, इस स्रोत से प्राप्त राजस्व बजट अनुमान से 35% कम रहने का अनुमान है।
- राज्य उत्पाद शुल्क से प्राप्त राजस्व में 2024-25 के संशोधित अनुमान से 19% की वृद्धि दर्ज होने का अनुमान है। स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क तथा वाहन कर में क्रमशः 25% और 20% की वृद्धि होने की उम्मीद है।

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	13,793	17,446	16,919	-3%	18,611	10%
राज्य उत्पाद शुल्क	8,430	11,000	10,500	-5%	12,500	19%
सेल्स टैक्स/वैट	6,513	9,960	6,490	-35%	8,789	35%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	2,494	2,800	3,200	14%	4,000	25%
वाहन कर	2,048	2,200	2,500	14%	3,000	20%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	4,585	5,000	5,500	10%	6,000	9%
भूराजस्व	848	1,200	1,000	-17%	1,000	0%

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

छत्तीसगढ़ के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2005 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व संतुलन: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। बजट में 2024-25 में 2,804 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 0.4%) के राजस्व अधिशेष का अनुमान है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3.8% रहने का अनुमान है। केंद्र सरकार 2020-21 से पूंजीगत व्यय के लिए राज्य सरकारों को 50 वर्ष का ब्याज मुक्त ऋण दे रही है। इन ऋणों को राज्य की उधार सीमा की गणना से बाहर रखा गया है। 2025-26 में राज्य को पूंजीगत व्यय के लिए इस मद में 4,000 करोड़ रुपए ऋण के रूप में मिलने का अनुमान है। यह राज्य के जीएसडीपी का लगभग 0.6% है जिससे 2025-26 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 3.1% तक कम हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ का राजस्व संतुलन

संशोधित आंकड़ों के अनुसार, राज्य ने 2024-25 में अपनी जीएसडीपी (7,206 करोड़ रुपए) का 1.3% राजस्व घाटा होने का अनुमान लगाया है। यह बजट चरण में जीएसडीपी के 0.2% के अनुमानित राजस्व अधिशेष से काफी अधिक है। 2023-24 में 3,500 करोड़ रुपए के बजटीय राजस्व अधिशेष के मुकाबले, राज्य ने 11,233 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा दर्ज किया था। आरबीआई के अनुसार, 2004-25 के बाद से, राज्य ने चार वर्षों को छोड़कर सभी वर्षों में राजस्व अधिशेष दर्ज किया है, जब उसने राजस्व घाटा दर्ज किया था। छत्तीसगढ़ ने हाल ही में 2019-20 के बाद से तीन वर्षों में राजस्व घाटा दर्ज किया है। 13वें वित्त आयोग ने कहा था कि राज्यों को लंबे समय में राजस्व घाटे को खत्म करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 5.3% रहने का अनुमान है। यह जीएसडीपी के 3.8% के बजट अनुमान से अधिक है।

बकाया ऋण: बकाया ऋण एक वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उधार का संचय होता है। 2025-26 के अंत में बकाया ऋण जीएसडीपी का 29.6% होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 28.9%) से अधिक है। राज्य का लक्ष्य 2027-28 तक अपने बकाया ऋण को जीएसडीपी के 24% तक कम करना है।

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

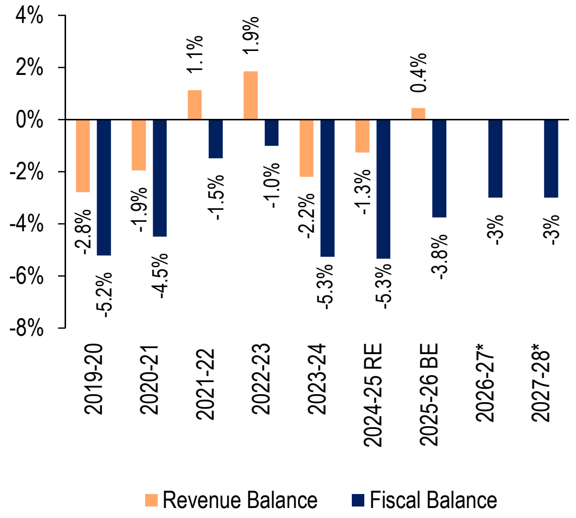

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। नेगेटिव आंकड़े घाटे का संकेत हैं। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया देनदारियां (जीएसडीपी का %)

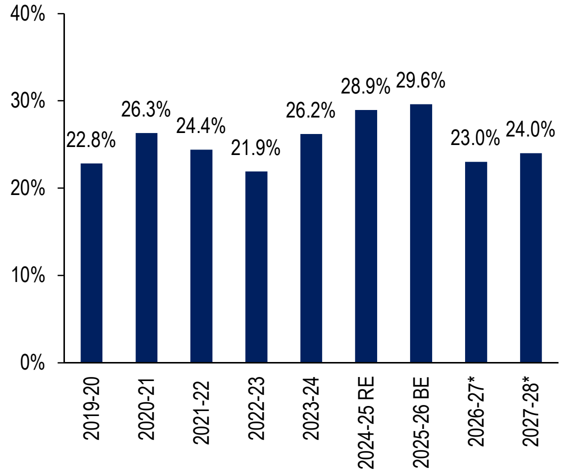

नोट: RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों के बकाया ऋण में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक प्रकृति की होती हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकारें वित्तीय संस्थानों से राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के उधार की गारंटी देती हैं। मार्च 2024 तक, राज्य की बकाया गारंटी 20,392 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो छत्तीसगढ़ की जीएसडीपी का 4% है।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में छत्तीसगढ़ के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (छत्तीसगढ़ सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: छत्तीसगढ़ ने 2025-26 में शिक्षा के लिए अपने व्यय का 16.2% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से अधिक है।
- **स्वास्थ्य**: छत्तीसगढ़ ने 2025-26 में स्वास्थ्य के लिए अपने व्यय का 6.8% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) से अधिक है।
- **ग्रामीण विकास**: छत्तीसगढ़ ने 2025-26 में ग्रामीण विकास के लिए अपने व्यय का 4.6% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास के लिए औसत आवंटन (5.1%) से कम है।
- **सड़कें और पुल**: छत्तीसगढ़ ने 2025-26 में सड़कों और पुलों के लिए अपने व्यय का 5.1% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा सड़कों और पुलों के लिए औसत आवंटन (4.3%) से अधिक है।
- **कृषि**: छत्तीसगढ़ ने 2025-26 में कृषि के लिए अपने व्यय का 16.3% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा कृषि के लिए औसत आवंटन (6.3%) से काफी अधिक है।
- **आवास**: छत्तीसगढ़ ने 2025-26 में आवास पर अपने व्यय का 5.6% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा आवास के लिए औसत आवंटन (1.3%) से अधिक है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

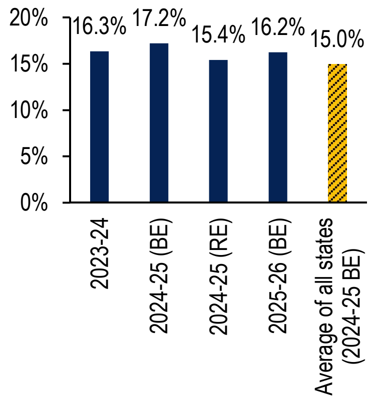

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

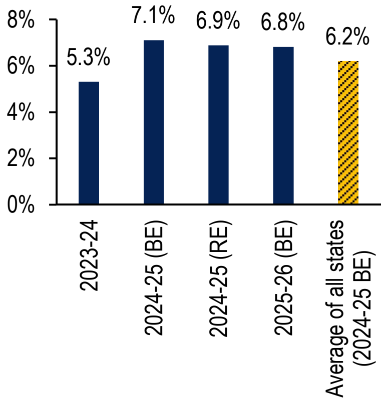

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

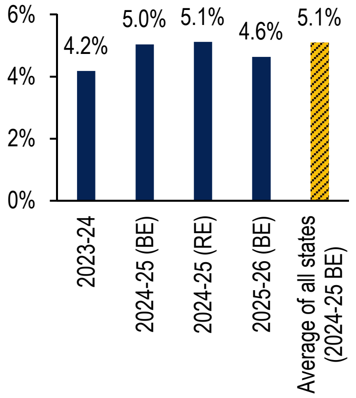

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दूचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

कुल बजट में सड़कों और पुलों पर व्यय का प्रतिशत

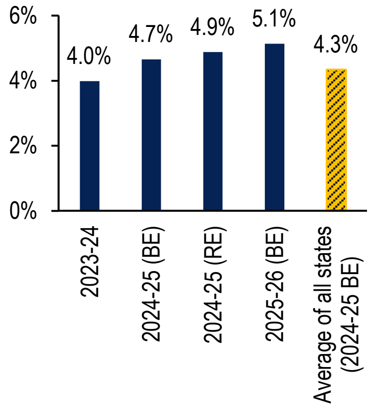

कुल बजट में कृषि पर व्यय का प्रतिशत

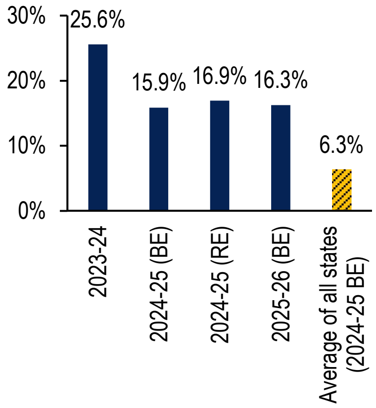

कुल बजट में आवास पर व्यय का प्रतिशत

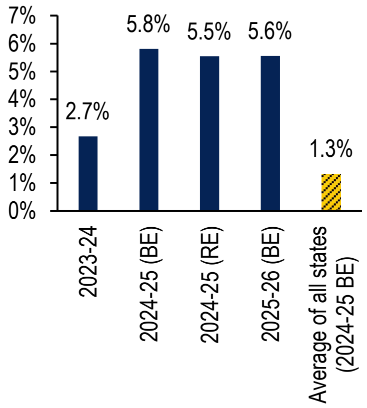

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े छत्तीसगढ़ के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।

अनुलग्नक 2: 2023-24 के बजटीय अनुमानों और वास्तविक के बीच तुलना

यहां तालिकाओं में 2023-24 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	**1,06,301**	**1,03,534**	**-3%**
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	1,06,001	1,03,508	-2%
क. स्वयं कर राजस्व	38,000	38,786	2%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	18,200	15,148	-17%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	34,801	38,482	11%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	15,000	11,092	-26%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	300	26	-91%
3. उधारियां	19,042	54,050	184%
इनमें केंद्रीय कैपेक्स ऋण	4,600	3,365	-27%
शुद्ध व्यय (4+5+6)	**1,21,495**	**1,30,471**	**7%**
4. राजस्व व्यय	1,02,501	1,14,741	12%
5. पूंजीगत परिव्यय	18,660	15,419	-17%
6. ऋण और अग्रिम	334	311	-7%
7. ऋण पुनर्भुगतान	7,542	24,113	220%
राजस्व संतुलन	**3,500**	**-11,233**	**-421%**
राजस्व संतुलन (जीएसडीपी का %)	0.7%	-2.2%	
राजकोषीय घाटा	**15,194**	**26,938**	**77%**
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	3.0%	5.3%	

स्रोत: विभिन्न वर्षों के छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर स्रोत/मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
भूराजस्व	1,200	848	-29%
सेल्स टैक्स/वैट	7,900	6,513	-18%
राज्य जीएसटी	14,028	13,793	-2%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	2,500	2,494	0%
वाहन कर	1,900	2,048	8%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	3,700	4,585	24%
राज्य उत्पाद शुल्क	6,700	8,430	26%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक कल्याण	1,118	552	-51%
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	3,364	2,076	-38%
परिवहन	6,617	5,202	-21%
जिनमें से सड़कें और पुल	*6,595*	*5,193*	*-21%*
शहरी विकास	4,344	3,482	-20%
पुलिस	6,189	5,336	-14%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	7,842	6,907	-12%
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	23,493	21,281	-9%
ग्रामीण विकास	5,920	5,447	-8%
आवास	3,335	3,473	4%
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	3,178	3,653	15%
सामाजिक कल्याण एवं पोषण	4,581	5,765	26%
ऊर्जा	5,860	7,794	33%
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	19,896	33,299	67%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के छत्तीसगढ़ बजट दस्तावेज; पीआरएस।